

प्रेषक,

अतर सिंह,
उप सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक,
आयुर्वेदिक एवं यूनानी सेवाएँ,
उत्तरांचल, देहरादून।

चिकित्सा अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक: 30 मार्च, 2005

विषय : राजकीय आयुर्वेदिक कालेज गुरुकुल के निर्माण संबंधी आगणनों के संबंध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या-11661/कालेज/2004-05/आगणन दिनांक 23.12.05 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय वित्तीय वर्ष 2004-05 में राजकीय आयुर्वेदिक कालेज गुरुकुल के आडिटोरियम के निर्माण हेतु रू0 35,97,000.00 (रू0 पैंतीस लाख सत्तानवे हजार मात्र) की धनराशि की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- 2- इस धनराशि का उपयोग राजकीय आयुर्वेदिक कालेज गुरुकुल हरिद्वार में आडिटोरियम के निर्माण से संबंधित कार्यों हेतु किया जायेगा।
- 3- आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत अनुमोदित दरों को जो दरें शिड्यूल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं, अथवा बाजार भाव से लो गयी हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक होगा एवं स्वीकृत मानक से अधिक किसी भी दशा में न होगा।
- 5- कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय।
- 6- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृति मानक है स्वीकृत मानक से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- 7- एक मुश्त प्राविधान को कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।
- 8- कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखने एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें।
- 9- कार्य कराने से पूर्व स्थल का भली भांति निरीक्षण उच्चाधिकारियों के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के पश्चात् आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाय।

10- बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका स्टोर पर्जेज रूल्स, डी.जी.एस.एण्डडी. की दरें अथवा टैण्डर कोटेशन विषयक नियमों के संबंध में शासन द्वारा समय-समय पर जारी आदेशों का अनुपालन किया जायेगा।

11- आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाय। एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय। निर्माण समाग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टैस्टिंग करा ली जाय तथा उपयुक्त पायी जाने वाली समाग्री को प्रयोग में लाया जाय।

12- कार्य कराते समय उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम लिमिटेड की स्वीकृत विशिष्टियों के अनुरूप कार्य कराये तथा कार्य की गुणवत्ता पर विशेष बल दिया जाय। कार्य की गुणवत्ता का पूर्ण उत्तरदायित्व निर्माण एजेन्सी का होगा।

13- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-1966/वि.अनु.-2/2004-05 दिनांक 29.03.2005 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(अतर सिंह)
उप सचिव

संख्या: (1)/XXVIII-1-2005-14/2004 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, माजरा, उत्तरांचल, देहरादून।
2. वरिष्ठ कोषाधिकारी, हरिद्वार।
3. प्राचार्य/अधीक्षक, गुरुकुल राजकीय आयुर्वेदिक कालेज, हरिद्वार।
4. उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम लिमिटेड, प्रथम तल ई-34 नेहरू कालोनी, देहरादून।
5. वित्त अनुभाग-2/नियोजन विभाग।
6. गार्ड फाईल/एन.ओ.ई.सी.।

आज्ञा से,

(अतर सिंह)
उप सचिव